AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लखनऊ विश्वविद्यालय : नए शैक्षणिक सत्र से छात्र लेंगे नए पाठ्यक्रम में दाखिला

यूजी का नया चार वर्षीय कोर्स तैयार

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का नया यूजी चार वर्षीय पाठ्यक्रम तैयार हो चुका है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत नए शैक्षणिक सत्र में इसे लागू कर दिया जाएगा। चार वर्षीय स्नातक स्तर पर यूनिफॉर्म क्रेडिट्स पर आधारित एक पाठ्यक्रम सभी विभागों में तैयार हो चुका है। इसमें कुल 192 क्रेडिट छात्र प्राप्त करेंगे। हर वर्ष के अंत में उन्हें पाठ्यक्रम छोड़कर जाने की अनुमति होगी।

लविवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत विषयों में अंत:विभागीय और अंतर विभागीय विकल्प छात्रों को दिए जाएंगे। साथ ही को-करिकुलर कोर्स और वोकेशनल कोर्स भी उपलब्ध होंगे। चार वर्षों में छात्र मेजर वन, मेजर टू, माइनर और को-करिकुलर कोर्स और वोकेशनल कोर्स पढ़ेंगे। मेजर वन में कुल 20 पेपर की पढ़ाई करेंगे और सभी पेपरों में चार क्रेडिट दिए जाएंगे। मेजर टू में कुल 12 पेपर होंगे और माइनर में चार पेपर। पहले सेमेस्टर में छात्र दो मेजर वन, दो मेजर टू, एक माइनर का पेपर और एक करिकुलर कोर्स के साथ कुल 24 क्रेडिट की पढ़ाई करेंगे। वहीं, दूसरे सेमेस्टर में दो मेजर वन, दो मेजर टू, एक माइनर का पेपर और एक वोकेशनल कोर्स के साथ कुल क्रेडिट की पढ़ाई होगी। इस प्रकार पहले वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र सर्टिफिकेट की डिग्री लेकर अपनी पढ़ाई छोड़ सकता है, साथ ही किसी नए कोर्स में सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते हैं। इसी प्रकार दूसरे वर्ष की पढ़ाई समाप्त करने के बाद छात्र डिप्लोमा की डिग्री प्राप्त कर सकता है। तीसरे साल के पांचवें सेमेस्टर में छात्रों को दो पेपर मेजर टू के और एक इंटर्नशिप या टर्म पेपर देना होगा और एक माइनर प्रोजेक्ट सबमिट करना होगा। तीसरे साल के बाद छात्र को स्नातक की डिग्री दी जाएगी। पाठ्यक्रम का चौथा साल शोध से जुड़ा होगा। सातवें सेमेस्टर में छात्र को रिसर्च मेथाडोलॉजी में शोध के सिद्धांतों से अवगत कराया जाएगा। इसके अलावा छात्र शोध से संबंधित पांच पेपर और पढ़ेंगे, आठवें सेमेस्टर में छात्र एक मेजर प्रोजेक्ट करेंगे, जो पूर्ण रूप से 24 क्रेडिट का होगा। इन दोनों सेमेस्टरों को पूरा करने के बाद छात्र की चौथे साल की पढ़ाई खत्म हो जाएगी और उसे बैचलर डिग्री विद रिसर्च से नवाजा जाएगा।

शुरू होंगे आधुनिक और शास्त्रीय क्षेत्रों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम

लखनऊ। नए शैक्षणिक सत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय स्नातक में कई आधुनिक और शास्त्रीय क्षेत्रों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है, जो अपने आप में अनूठे होने के साथ ही रोजगारपरक भी होंगे। ऑपरेटिंग सिस्टम, इंटरनेट प्रौद्योगिकी और वेब डिजाइन पर अत्याधुनिक पाठ्यक्रम लागू होगा। वहीं, विवि का प्राच्य संस्कृत विभाग कर्मकांड में पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। विवि इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की सूची तैयार करने में जुटा है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, संस्कृत, फारसी भाषा, होटल प्रबंधन पर पाठ्यक्रम, एमआईसीई पर्यटन, दार्शनिक परामर्श, मशरूम की खेती, रिमोट सेंसिंग, अकादमिक लेखन, विदेश व्यापार और प्रोसेसिंग, जीएसटी अवधारणा, अभ्यास, एक्यूप्रेशर प्रशिक्षण प्रस्तावित हैं, जबकि विवि के प्राच्य संस्कृत विभाग द्वारा तीन पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। पहला कर्मकांड विधि, दूसरा षोडश संस्कार विधि जबकि तीसरा पाठ्यक्रम सरल संस्कृत संभाषण है।

HINDUSTAN PAGE 4

एक कोर्स बीच में छोड़कर दूसरे की पढ़ाई कर सकेंगे छात्र

लखनऊ विवि

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में नए सत्र से पाठ्यक्रम में नई शिक्षा नीति के तहत अहम बदलाव हो जाने जा रहे हैं। आने वाले शैक्षिक सत्र 2021-2022 में चार वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत छात्र कभी एक कोर्स की पढ़ाई को छोड़ दूसरे कोर्स में प्रवेश ले सकेंगे।

स्नातक का छात्र यदि एक साल पढ़ाई करने के बाद पढ़ाई छोड़ता है तो उसे एक वर्षीय डिप्लोमा का सर्टिफिकेट दे दिया जाएगा और वह किसी अन्य कोर्स में प्रवेश ले सकेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय अगले अकादमिक सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत अपने स्नातक स्तर पर 4 वर्षीय पाठ्यक्रम लागू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हो चुका है।

पिछले 1 हफ्ते से इस दिशा में चल रही कार्यवाही के चलते 4 वर्षीय स्नातक स्तर पर यूनिफॉर्म क्रेडिट्स पर आधारित एक पाठ्यक्रम सभी विभागों में तैयार हो चुका है। पाठ्यक्रम में कुल 192 क्रेडिट छात्र प्राप्त करेंगे और हर वर्ष के अंत में उन्हें पाठ्यक्रम छोड़कर जाने की अनुमति होगी।

सभी पेपरों में 4 क्रेडिट दिए जाएंगे

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्देशों के तहत विषयों में अंतः विभागीय और अंतर विभागीय विकल्प छात्रों को दिए जाएंगे। साथ ही को करिकुलर कोर्स एवं वोकेशनल कोर्स भी उपलब्ध होंगे। 4 वर्षों में छात्र मेजर वन मेजर दो माइनर और को करिकुलर कोर्स और वोकेशनल कोर्स पढ़ेंगे। जानकारी के अनुसार मेजर वन में कुल 20 पेपर की पढ़ाई करेंगे और सभी पेपरों में 4 क्रेडिट दिए जाएंगे।

तीसरे साल के बाद स्नातक की डिग्री मिलेगी

सेमेस्टर 3 और 4 में भी मेजर वन के दो दो पेपर, मेजर टू के दो दो पेपर, 1 माइनर का पेपर और एक को करिकुलर कोर्स और एक वोकेशनल कोर्स के साथ दूसरे वर्ष की पढ़ाई समाप्त कर छात्र डिप्लोमा की डिग्री प्राप्त कर सकता है। तीसरे साल में छात्र को पांचवें सेमेस्टर में तीन पेपर करने होंगे दो पेपर मेजर टू के और एक इंटर्नशिप या टर्म पेपर और एक माइनर प्रोजेक्ट सबमिट करना होगा। तीसरे साल के बाद छात्र स्नातक की डिग्री लेने में समर्थ होगा।

चौथे साल में मिलेगी बैचलर डिग्री विद रिसर्च

नए पाठ्यक्रम के अन्तर्गत चौथे साल में सातवें सेमेस्टर में शोध के सिद्धांतों से परिचित कराया जाएगा। रिसर्च मेथाडोलॉजी के पेपर में। रिसर्च मेथाडोलॉजी के अलावा छात्र पांच पेपर और पढ़ेंगे। आठवें सेमेस्टर में छात्र एक मेजर प्रोजेक्ट करेंगे जो पूर्ण रूप से 24 क्रेडिट का होगा इन दोनों सेमेस्टर को पूरा करने के बाद छात्र को चौथे साल की शिक्षा संपन्न कर बैचलर विद रिसर्च की डिग्री मिलेगी।

i-NEXT PAGE 4

चार साल की पढ़ाई पर बैचलर डिग्री विद रिसर्च

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने तैयार किया चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (23 June): नई शिक्षा नीति के अंतर्गत लखनऊ यूनिवर्सिटी ने चार वर्षीय स्नातक का नया पाठ्यक्रम तैयार कर लिया है. इसमें स्टूडेंट्स 192 क्रडिट प्राप्त करेंगे. कोर्स पूरा करने के बाद स्टूडेंट्स को बैचलर डिग्री विद रिसर्च की उपाधि दी जाएगी. एलयू के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्देशों के तहत विषयों में अंत: विभागीय और अंतर विभागीय विकल्प छात्रों को दिए जाएंगे.

वोकेशनल कोर्स भी शामिल

चार वर्षों में स्टूडेंट्स मेजर वन, मेजर-टू माइनर, को-करिकुलर कोर्स और वोकेशनल कोर्स पढ़ेंगे. मेजर वन में 20 पेपर की पढ़ाई होगी, सभी पेपरों में चार क्रेडिट दिए जाएंगे. मेजर टू में 12 पेपर और माइनर में चार पेपर होंगे. पहले सेमेस्टर में दो मेजर वन पेपर, दो मेजर 2 के पेपर, 1 माइनर पेपर और 1 को-करिकुलर कोर्स के साथ 24 क्रेडिट की पढ़ाई होगी.

रिसर्च के सिद्धांत से रूबरू

तीसरे साल के बाद स्टूडेंट स्नातक की डिग्री लेने में समर्थ होगा. चौथे साल में सातवें सेमेस्टर में स्टूडेंट को रिसर्च मेथाडोलॉजी के पेपर से शोध के सिद्धांतों से अवगत कराया जाएगा. आठवें सेमेस्टर में स्टूडेंट एक मेजर प्रोजेक्ट करेंगे जो 24 क्रेडिट का होगा. इन दोनों सेमेस्टरों को पूरा करने के बाद स्टूडेंट को चौथे साल की शिक्षा पूरी होने पर बैचलर डिग्री विद रिसर्च से नवाजा जाएगा.

कोर्स के बिंदु

- दूसरे सेमेस्टर में दो मेजर वन पेपर, दो मेजर दो के पेपर, एक माइनर पेपर और एक वोकेशनल कोर्स संग 24 क्रेडिट की पढ़ाई. पहले वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद स्टूडेंट सर्टिफिकेट की डिग्री लेकर पढ़ाई छोड़ सकते हैं और नए कोर्स में सर्टिफिकेट ले सकते हैं.
- सेमेस्टर तीन और चार में भी मेजर वन और मेजर टू के दो-दो पेपर, एक माइनर पेपर, एक को-करिकुलर कोर्स और एक वोकेशनल कोर्स शामिल होगा. दूसरे वर्ष की पढ़ाई पूरी करने पर डिप्लोमा की डिग्री.

छात्र-छात्राएं कर्मकांड की शिक्षा भी प्राप्त कर सकेंगे

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय अब अपने स्नातक कार्यक्रम के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की एक सूची तैयार कर रहा है। ऑपरेटिंग सिस्टम, इंटरनेट प्रौद्योगिकी और वेब डिजाइन पर अत्याधुनिक पाठ्यक्रमों के साथ विश्वविद्यालय का प्राच्य संस्कृत विभाग कर्मकांड में पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है।

प्राच्य संस्कृत विभाग द्वारा तीन पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। जिसमें स्मार्त कर्मकाण्ड विधि कोर्स में षोडशोपचार पूजन विधि, पंचदेव पूजन विधि, चण्डीपाठ, रुद्राभिषेक विधि, नवग्रह जप विधि, सत्यनारायण कथा पढ़ाई जाएगी। दूसरे कोर्स में सोलह संस्कार विधि में जन्म से पूर्व के संस्कार जैसे गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन और जन्म के बाद के संस्कार, बाल्यवस्था के संस्कार, युवावस्था के संस्कार,मृत्यु के पश्चात के संस्कार छात्र जान सकेंगे। तीसरा कोर्स सरल संस्कृत सम्भाषण का होगा।

इसके अलावा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, संस्कृत, फारसी भाषा, होटल प्रबंधन पर पाठ्यक्रम, एमआईसीई पर्यटन, दार्शनिक परामर्श, मशरूम की खेती रिमोट सेंसिंग, अकादमिक लेखन, विदेश व्यापार, जी.एस.टी. अवधारणा और अभ्यास का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ड्रॉपआउट छात्राएं जाएंगी स्कूल

अच्छी खबर

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

ग्रामीण इलाकों में आज भी छात्राओं की पढ़ाई शुरू होती है लेकिन अलग-अलग कारणों से उनका स्कूल जाना छूट जाता है। लखनऊ विश्वविद्यालय का समाज कार्य विभाग अब ऐसी ड्रापआउट छात्राओं का न सिर्फ सर्वे कर आंकड़ा जुटाएगा बल्कि उनको दोबारा शिक्षा के साथ जोड़ने का काम करेगा।

समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के निदेशक डा. अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि समाज कार्य विषय की पढ़ाई करने वाले छात्रों की टीम बनायी जा रही है। जो सर्वे का काम करेगी। सर्वे का कार्य पूरा होने के बाद एक मॉनिटरिंग कमेटी का गठन किया जाएगा। डाटा के आधार पर छात्राओं का प्रवेश विद्यालयों में कराया जाएगा। जिसके बाद इनकी छूटी हुई पढ़ाई फिर से शुरू हो पाएगी और इनके जीवन में शिक्षा का उजियारा फैलेगा। इन गांवों में से दो गांवों को समाज कार्य विभाग गोद लेगा। जिसके अन्तर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य जागरूक करना है। हर कहीं संसाधन हैं बस उनका उपयोग कैसे और किस दिशा में करना है ये जानना जरूरी है।

एलयू के समाज कार्य विभाग की पहल

समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के निदेशक डा. अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि विभाग अपने सीमित संसधानों से ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वे कराने जा रहा है। विभाग द्वारा गांवों का चिन्हीकरण किया जा रहा है। सर्वे में मुख्य रूप से ड्रॉप आऊट छात्राओं का ब्योरा जुटाया जाएगा। इसके बाद इन छात्राओं को उसी गांव में उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से पुन: शिक्षा से जोड़ा जाएगा।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

लविवि : चार वर्ष के पाठ्यक्रम को लेकर खाका तैयार

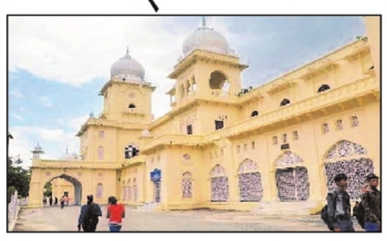

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय अगले अकादमिक सत्र 2021-22 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्नातक स्तर पर चार वर्षीय पाठ्यक्रम लागू करने के लिए पूरी तरह से तैयारी में है। पिछले एक सप्ताह से चल रही इस दिशा में कार्यवाही के चलते चार वर्षीय स्नातक स्तर पर यूनिफॉर्म क्रेडिट्स पर आधारित एक पाठ्यक्रम सभी विभागों में तैयार हो चुका है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्देशों के तहत विषयों में अंतः विभागीय और अंतर विभागीय विकल्प छात्रों को दिए जाएंगे, साथ ही को करिकुलर कोर्स एवं वोकेशनल कोर्स भी उपलब्ध होंगे। चार वर्षों में छात्र मेजर वन मेजर दो माइनर और को करिकुलर कोर्स और वोकेशनल कोर्स पढ़ेंगे। मेजर वन में कुल 20 पेपर की पढ़ाई करेंगे और सभी पेपरों में चार क्रेडिट दिए जाएंगे। मेजर टू में कुल 12 पेपर होंगे और माइनर में चार पेपर। पहले सेमेस्टर में छात्र दो मेजर वन पेपर, दो मेजर दो के पेपर, एक माइनर पेपर और एक को करिक्युलर कोर्स के साथ कुल 24 क्रेडिट की पढ़ाई करेंगे।

दूसरे सेमेस्टर में दो मेजर वन पेपर, दो मेजर दो के पेपर, एक माइनर पेपर और एक वोकेशनल कोर्स के साथ कुल 24 क्रेडिट की पढ़ाई करेंगे। पहले वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र सर्टिफिकेट की डिग्री लेकर अपनी पढ़ाई छोड़ सकते हैं और किसी नए कोर्स में सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते हैं। इसी तरह सेमेस्टर तीन और चार में भी मेजर वन के दो-दो पेपर, मेजर टू के दो-दो पेपर, एक माइनर का पेपर और एक को करिकुलर कोर्स और एक वोकेशनल कोर्स के साथ दूसरे वर्ष की पढ़ाई समाप्त कर छात्र डिप्लोमा की डिग्री प्राप्त कर सकता है।

तीसरे साल में छात्र को पांचवें सेमेस्टर में तीन पेपर करने होंगे, दो पेपर मेजर टू के और एक इंटर्नशिप या टर्म पेपर और एक माइनर प्रोजेक्ट सबमिट करना होगा। तीसरे साल के बाद छात्र स्नातक की डिग्री लेने में समर्थ होगा। चौथा साल इस नए पाठ्यक्रम की खासियत है। रिसर्च मेथाडोलॉजी के अलावा छात्र पांच पेपर और पढ़ेंगे जो हर उसके विषय के शोध से रिलेटेड हो। सातवें सेमेस्टर में इस तरह से तैयार होने के बाद आठवें सेमेस्टर में छात्र एक मेजर प्रोजेक्ट करेंगे जो पूर्ण रूप से 24 क्रेडिट का होगा। इन दोनों सेमेस्टरों को पूरा करने के बाद छात्र को चौथे साल की शिक्षा संपन्न कर बैचलर डिग्री विद रिसर्च से नवाजा जाएगा।

आधुनिक और शास्त्रीय क्षेत्रों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू करेगा लविवि : लखनऊ विश्वविद्यालय अब स्नातक कार्यक्रम के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की एक सूची तैयार कर रहा है। ऑपरेटिंग सिस्टम, इंटरनेट प्रौद्योगिकी और वेब डिज़ाइन पर अत्याधुनिक पाठ्यक्रमों के साथ विश्वविद्यालय का प्राच्य संस्कृत विभाग कर्मकांड में पाठ्यक्रम की पेशकश भी करने जा रहा है। प्राच्य संस्कृत विभाग द्वारा तीन पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसमें पहला स्मार्त कर्मकाण्ड विधि जिसमें षोडशोपचार पूजन विधि , पंचदेव पूजन विधि , चण्डीपाठ, रुद्राभिषेकविधि, नवग्रह जप विधि , सत्यनारायण कथादि। दूसरा षोडशसंस्कार विधि जिसमें जन्म से पूर्व के संस्कार, गर्भाधान, पुंसवन,सीमन्तोन्नयन,जातकर्म एवं जन्म के बाद के संस्कार, बाल्यवस्था के संस्कार, युवावस्था के संस्कार, मृत्यु के पश्चात के संस्कार तथा तीसरा सरल संस्कृत सम्भाषण जिसमें व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, संस्कृत, फारसी भाषा, होटल प्रबंधन पर पाठ्यक्रम, एमआईसीई पर्यटन, दार्शनिक परामर्श, मशरूम की खेती, रिमोट सेंसिंग, अकादमिक लेखन, विदेश व्यापार और प्रोसेसिंग, जी.एस.टी. अवधारणा और अभ्यास।

JAGRAN CITY PAGE I

चार साल की पढ़ाई पर बैचलर डिग्री विद रिसर्च

जासं, लखनऊ : लखनऊ विवि ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत चार वर्षीय स्नातक का नया पाठ्यक्रम तैयार कर लिया है। इस पाठ्यक्रम में छात्र कुल 192 क्रेडिट प्राप्त करेंगे। चार साल का स्नातक पाठ्यक्रम पूरा करने पर छात्र को बैचलर डिग्री विद रिसर्च की उपाधि दी जाएगी। खास बात ये है कि हर वर्ष के अंत में छात्र पाठ्यक्रम को छोड़ कर जा सकेंगे।

एक सप्ताह से लविवि चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को तैयार करने में जुटा था। बुधवार को पाठ्यक्रम तैयार होने के बाद कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस पर अपनी सहमति दे दी। प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के निर्देशों के तहत विषयों में अंतः विभागीय और अंतर विभागीय विकल्प छात्रों को दिए जाएंगे।

को-करिकुलर व वोकेशनल कोर्स भी शामिल

चार वर्षों में छात्र मेजर वन, मेजर-टू, माइनर, को-करिकुलर कोर्स और वोकेशनल कोर्स पढ़ेंगे। मेजर वन में कुल 20 पेपर की पढ़ाई होगी। सभी पेपरों में चार क्रेडिट दिए जाएंगे। मेजर टू में कुल 12 पेपर और माइनर में चार पेपर होंगे। पहले सेमेस्टर में छात्र दो मेजर वन पेपर, दो मेजर 2 के पेपर, 1 माइनर पेपर और 1 को-करिकुलर कोर्स के साथ कुल 24 क्रेडिट की पढ़ाई करेंगे।

ये हैं पाठ्यक्रम के प्रमुख बिंदु

शोध के सिद्धांत से होंगे रूबरू

तीसरे साल के बाद छात्र स्नातक की डिग्री लेने में समर्थ होगा। चौथा साल नए पाठ्यक्रम की खासियत है। इसमें सातवें सेमेस्टर में छात्र रिसर्च मेथाडोलॉजी के पेपर के माध्यम से शोध के सिद्धांत जान सकेंगे। रिसर्च मेथाडोलॉजी के अलावा छात्र के पांच पेपर और होंगे जो कि विषय के शोध से संबंधित होंगे। आठवें सेमेस्टर में छात्र एक मेजर प्रोजेक्ट करेंगे जो 24 क्रेडिट का होगा। इन सेमेस्टरों को पूरा करने के बाद छात्र को चौथे साल की शिक्षा संपन्न कर बैचलर डिग्री विद रिसर्च मिलेगी।

पहले वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद मिलेगा सर्टिफिकेट

दूसरे सेमेस्टर में दो मेजर वन पेपर, दो मेजर दो के पेपर, एक माइनर पेपर और एक वोकेशनल कोर्स के साथ कुल 24 क्रेडिट की पढ़ाई करेंगे। पहले वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र सर्टिफिकेट की डिग्री लेकर अपनी पढ़ाई छोड़ सकते हैं और किसी नए कोर्स में सर्टिफिकेट ले सकते हैं।

दूसरे वर्ष की पढ़ाई पूरी कर छात्र को मिलेगा डिप्लोमा

सेमेस्टर तीन और चार में भी मेजर वन और मेजर टू के दो-दो पेपर, एक माइनर पेपर, एक को-करिकुलर कोर्स और एक वोकेशनल कोर्स शामिल होगा। दूसरे वर्ष की पढ़ाई पूरी कर छात्र को डिप्लोमा की डिग्री दी जाएगी।

छात्र को एक माइनर प्रोजेक्ट करना होगा सबमिट

तीसरे साल में पांचवें सेमेस्टर के तीन पेपर होंगे। दो पेपर मेजर टू के और एक इंटर्नशिप या टर्म पेपर और एक माइनर प्रोजेक्ट सबमिट करना होगा।

लविवि : विदेशी विद्यार्थियों की पहली पसंद मैनेजमेंट कोर्स

जासं, लखनऊ : विदेशी छात्र-छात्राओं को लखनऊ विश्वविद्यालय की पढ़ाई काफी पसंद आ रही है। यही वजह है कि लगातार उनकी संख्या में इजाफा हो रहा है। शैक्षिक सत्र 2021-22 में विभिन्न कोर्सों में इंडोनेशिया, अफगानिस्तान, म्यामार, दक्षिण कोरिया सहित अन्य देशों के छात्रों के रिकार्ड 371 आवेदन आए हैं। इनमें मैनेजमेंट कोर्सों में प्रवेश के लिए आवेदन करने वालों की संख्या अधिक है।

लविवि के इंटरनेशनल स्टूडेंट्स एडवाजर प्रो. आरपी सिंह ने बताया कि हर साल विदेशी छात्रों का रुझान विश्वविद्यालय में बढ़ा है। पिछले साल करीब 100 छात्र-छात्राओं ने आनलाइन दाखिले लिए थे। इस बार आवेदन की संख्या 371 पहुंच गई है। अभी 30 जून तक आनलाइन आवेदन का मौका है। उन्होंने बताया कि ज्यादातर दावेदार दक्षिण एशिया के देशों से हैं। तमाम विदेशी छात्रों ने मैनेजमेंट कोर्सों के साथ-साथ संस्कृत सीखने के लिए भी आवेदन किया है।

आवदेन की प्रक्रिया भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के माध्यम से की गई है। अब आए हुए आवेदन पत्रों की स्क्रीनिंग के बाद संबंधित देश के दूतावास को सूचना भेज दी जाएगी, जिससे प्रवेश की प्रक्रिया पूरी की जा सके।

विभिन्न कोर्सों में आवेदन का टूटा रिकार्ड, इस बार आए 371 आवेदन पिछले साल 100 छात्र-छात्राओं ने आनलाइन लिए थे दाखिले

लगातार बढ़ रहे छात्र

लविवि के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2016 में आठ विदेशी छात्रों ने ही लविवि में दाखिला लिया था। उसके बाद 2018-19 में 32, वर्ष 2019-20 में 55 विदेशी छात्र आए। पिछले साल 150 से ज्यादा विदेशी छात्रों ने आवेदन तो किया था, लेकिन कोविड की वजह से 100 छात्र ने ही प्रवेश प्रक्रिया पूरी की।

PIONEER PAGE 3

192 क्रेडिट का होगा एलयू का चार वर्षीय यूजी कोर्स

- हर वर्ष के अंत में कोर्स छोड़ जाने की होगी स्वायत्तता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत स्नातक स्तर पर लागू किये जा रहे चार वर्षीय कोर्स 192 क्रेडिट के होंगे। यूनिफॉर्म क्रेडिट्स पर आधारित इस कोर्स की यह विशेषता होगी कि हर वर्ष के अंत में छात्रों को पाठ्यक्रम छोड़कर जाने की अनुमति होगी। विषयों में अंत: विभागीय और अंतर विभागीय भी विकल्प छात्रों को दिए जाएंगे साथ ही को.करिकुलर कोर्स एवं वोकेशनल कोर्स भी उपलब्ध होंगे। 4 वर्ष की पढ़ाई के दौरान छात्र मेजर वन मेजर दो माइनर और को करिकुलर कोर्स और वोकेशनल कोर्स पढ़ेंगे। मेजर वन में कुल 20 पेपर की पढ़ाई करेंगे और सभी पेपरों में 4 क्रेडिट दिए जाएंगे। मेजर टू में कुल 12 पेपर होंगे और माइनर में चार पेपर। पहले सेमेस्टर में छात्र दो मेजर वन पेपर, दो मेजर 2 के पेपर, 1 माइनर पेपर और 1 को करिक्युलर कोर्स के साथ कुल 24 क्रेडिट की पढ़ाई करेंगे। दूसरे सेमेस्टर में दो मेजर वन पेपर, दो मेजर 2 के पेपर, 1 माइनर पेपर और 1 वोकेशनल कोर्स के साथ कुल 24 क्रेडिट की पढ़ाई करेंगे। पहले वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र सर्टिफिकेट की डिग्री लेकर अपनी पढ़ाई छोड़ सकते हैं और किसी नए कोर्स में सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते हैं। इसी तरह सेमेस्टर 3 और 4 में भी मेजर वन के दो दो पेपर, मेजर टू के दो दो पेपर, 1 माइनर का पेपर और एक को करिकुलर कोर्स और एक वोकेशनल कोर्स के साथ दूसरे वर्ष की पढ़ाई समाप्त कर छात्र डिप्लोमा की डिग्री प्राप्त कर सकता है। तीसरे साल में छात्र को पांचवें सेमेस्टर में तीन पेपर में करने होंगे दो पेपर मेजर टू के और एक इंटर्नशिप या टर्म पेपर और एक माइनर प्रोजेक्ट सबमिट करना होगा।

HINDUSTAN TIMES PAGE 4

LU to offer course in Karm-Kand from upcoming session

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

LUCKNOW: Lucknow University will provide vocational training in Karm-Kand, the Hindu rituals of last rites, to students from the upcoming academic session.

"We will be offering course in Karm-Kand to be run by the Prachya Sanskrit Department," said LU spokesperson Durgesh Srivastav. "This course shall provide a proper scriptural account of how to perform rites and rituals in various sanskars, thus providing a wider opportunity to people for learning which was only confined to convention bound people. There shall be teaching of Sandhyopasan Vidhi, Tarpan and Balvishwadev Vidhi amongst others," he added.

The course is part of an array of vocational courses proposed by the university as it introduces four-year undergraduate program (FYUP) from upcoming session. A list of vocational courses for undergraduate program includes state of the art modern courses on operating system, internet technology and web design. Vocational courses will include English, French, German, Sanskrit, Persian languages, courses on hotel management, tourism, philosophical counselling, mushroom cultivation, remote sensing, academic writing, foreign trade, GST concept and practice.

The vocational courses will be taken by students in the first and second year of undergraduate program.

ABOUT THE COURSE

- LU spokesperson Durgesh Srivastav said this course will provide a proper scriptural account of how to perform rites and rituals in various sanskars, thus providing a wider opportunity to people for learning which was only confined to convention bound people.